सोमवार
18 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4
सर्दियों में भुट्टा खाना है सेहत के लिए फायदेमंद

पृष्ठ 5
वेस्टर्न लिबास छोड़ देसी रंग में रंगी वाणी कपूर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 303
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
– पं. मोतीलाल नेहरू

2025 तक ड्रग फ्री उत्तराखण्ड बनाया जायेगाः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 2025 तक ड्रग फ्री उत्तराखण्ड बनाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि 2025 तक उत्तराखण्ड को ड्रग्स फ्री बनाने के लिए प्रभावी प्रयास किये

जाएं। उत्तराखण्ड को गुड गवर्नेंस मॉडल राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए करारों को तेजी से धरातल पर उतारा जाए। मुख्यमंत्री ने डीजीपी अभिनव कुमार को निर्देश दिये कि ड्रग्स फ्री उत्तराखण्ड के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाएं। इस अभियान को मिशन मोड पर लिया जाए, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य विभाग और नशा मुक्ति के लिए कार्य कर रहे संगठनों को भी इस अभियान में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि मार्च 2024 तक यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाए। शिक्षण संस्थानों में नशे के दु:ष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ उनके अभिभावकों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुड गवर्नेंस की दिशा में और तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने सचिव आई.टी.डी.ए शैलेश बगोली को निर्देश दिये कि अधिक से अधिक सेवाएं ऑनलाईन की जाएं। सभी विभाग समयबद्धता के साथ पत्रावलियों का निस्तारण करें।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

- अब काशी भी अयोध्या की राह पर-

एएसआई की रिपोर्ट से तय होगा ज्ञान व्यापी मंदिर या फिर मस्जिद

विशेष संवाददाता

वाराणसी। बहुचर्चित ज्ञानव्यापी विवाद में आज एएसआई ने अपनी हजारों पेज की सर्वे रिपोर्ट को जिला अदालत में पेश कर दिया गया है। माना जा रहा है कि एएसआई की यह सर्वे रिपोर्ट अयोध्या राम मंदिर की तरह ज्ञान व्यापी विवाद को सुलझाने में भी मील का पत्थर साबित होगी। इस रिपोर्ट के आधार पर यह तय हो सकेगा कि ज्ञानव्यापी मंदिर को तोड़कर बनाई गई मस्जिद है या फिर वह मस्जिद ही है।

350 साल पुराने इस विवाद को लेकर हिंदू पक्षकारों द्वारा बीते 40 सालों से संघर्ष किया जा रहा है। कोर्ट द्वारा इस

❑एएसआई ने ज्ञानव्यापी पर किये सर्वे की रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी

ज्ञानव्यापी परिसर को लेकर एएसआई द्वारा कराए गए सर्वे पर भी मुस्लिम पक्षकार सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन कोर्ट के आदेश पर हुए इस एएसआई सर्वे को वह रोक नहीं सके। 90 दिन चले इस सर्वे को पूरा करने के लिए एएसआई द्वारा चार बार समय अवधि बढ़ाने की अपील की गई और आखिरकार एएसआई द्वारा अपनी हजारों पन्नों की यह सर्वे रिपोर्ट जिला कोर्ट में सील बंद लिफाफे में सौंप दी गई है। इस दौरान आज विवाद से जुड़े पक्षकारों के प्रतिनिधि भी अदालत में मौजूद रहे।

इस बीच मुस्लिम पक्षकारों द्वारा रिपोर्ट को सार्वजनिक न करने और बिंदुवार जानकारी के साथ दोनों पक्षों को देने की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

संयोग वश मोदी और योगी भी काशी में

वाराणसी। यह महज एक सहयोग है या फिर योग है कि आज जब ज्ञानव्यापी पर यह ऐतिहासिक फैसला हो रहा है तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी काशी में ही मौजूद है। पीएम मोदी काशी कल गए थे उनका यह दो दिवसीय दौरा है। तमिल काशी संगमम और विकसित भारत संकल्प यात्रा तथा सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं जैसे कई आयोजनों में वह भाग ले रहे हैं। पीएम मोदी के साथ सीएम योगी भी है जब यह रिपोर्ट कोर्ट में सौंपी गई तब दोनों एक ही मंच पर थे तथा आपस में कुछ वार्ता कर रहे थे। काशी के विकास को लेकर पीएम इसलिए भी संजीदा है क्योंकि वह यहां से सांसद भी हैं। काशी कैसी हो इस पर कल भी पीएम ने कहा था कि अब काशी वैसी ही बनती जा रही है जैसा उसे होना चाहिए था और यह सब बाबा की कृपा से हो रहा है।

पुलवामा व उरी अटैक में शामिल लश्कर आतंकवादी हबीबुल्लाह की पाक में हत्या!

नई दिल्ली। पाकिस्तान में एक और बड़े आतंकवादी की हत्या हो गई है। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी हबीबुल्लाह का पाकिस्तान में एक अज्ञात गनमैन ने कत्ल कर दिया। हालांकि, लश्कर आतंकी हबीबुल्लाह की गोली मारकर किसने हत्या की है, इसका पता नहीं चल पाया है। आतंकवादी हबीबुल्लाह लश्कर चीफ हाफिज सईद का काफी करीबी था। बताया जा रहा है कि आतंकी हबीबुल्लाह पुलवामा और उरी अटैक में शामिल था। आतंकी हबीबुल्लाह को पख्तूनख्वा प्रांत में एक गनमैन ने टारगेट करके गोली मारकर हत्या कर दी। लश्कर आतंकी हबीबुल्लाह को लेकर कहा जाता है कि वह पाकिस्तान में आवाम को आतंकी बनने के लिए मोटिवेट करता था। आतंकी हबीबुल्लाह को खान बाबा के नाम से भी जाना जाता था। हबीबुल्लाह पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व सदस्य दावर खान कुंडी का चचेरे भाई था। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान में अलग-अलग स्थानों पर अज्ञात बंदूकधारियों यानी गनमैन ने अब तक लगभग 23 आतंकवादियों को मार गिराया है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को दिया गया जहर, अस्पताल में भर्ती!

नई दिल्ली। मुंबई बम हमलों के मास्टरमाइंड, मोस्ट वांटेड अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को पाकिस्तान के कराची में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि उसे कराची में जहर दिया गया है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

दाऊद भारत की मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की सूची में है। वह 1993 बम विस्फोट मामले में वांछित है। पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस अस्पताल में दाऊद भर्ती है वहां कड़ी सुरक्षा है। अस्पताल की उस फ्लोर पर

❑पाकिस्तान के कई शहरों में इंटरनेट सेवा बंद

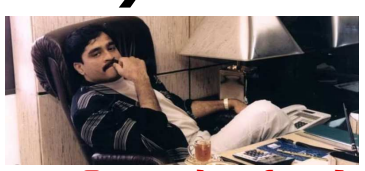

दाऊद ही इकलौता मरीज है। शीर्ष अस्पताल अधिकारियों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को ही मंजिल तक पहुंच है।

बताया जा रहा है कि इस बीच पाकिस्तान में रात में इंटरनेट को बंद कर दिया गया और सोशल मीडिया वेबसाइट को भी बैन कर दिया गया। इंटरनेट बंद होने के बाद पाकिस्तान के कई पत्रकारों ने दावा किया है कि दाऊद इब्राहिम को जहर दिए जाने की खबर को देखते हुए इंटरनेट को बैन कर दिया गया।

पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने कहा, सुनने में आ रहा है कि दाऊद इब्राहिम को किसी ने जहर दिया है और उसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई है। उसको कराची के किसी हॉस्पिटल में रखा गया है और ये खबर सोशल मीडिया में गर्दिश कर रही है कहां तक ठीक है मालूम नहीं, लेकिन एक बात इस ओर इशारा कर रही है कि दाल में कुछ काला है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कोरोना से सतर्क रहें

भले ही समय बीतने के साथ और लोगों के मन में कोरोना का कोई खौफ न रह गया हो लेकिन 3 साल पहले देश और दुनिया ने कोरोना संक्रमण के दौरान जिस तरह की मुश्किलों का सामना किया था उसकी यादें आज भी सबके जहन को झकझोर कर रख देती है। घर, अस्पताल और सड़कों पर तड़प-तड़प कर मरते लोग और कब्रिस्तानों तथा श्मशानों में शवों के अंबार और नदियों में तैरती लाशों की तस्वीरों को लोग आज भी नहीं भूले हैं। किसी तरह 2 साल लंबी इस त्रासद स्थिति से मानव समाज को राहत तो मिल गई लेकिन अभी कोरोना संक्रमण का वायरस हमारे बीच जिंदा है और उससे मुक्ति नहीं मिल सकी है जो अत्यंत ही चिंताजनक है। इन दिनों बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर सिंगापुर सबसे अधिक सुर्खियों में है। जहां कोरोना संक्रमण के सक्रिय केसों की संख्या 56 हजार से अधिक पहुंच चुकी है। खास बात यह है कि सिंगापुर में कोरोना के मामले इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं कि बीते एक सप्ताह में 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अभी 4 दिन पहले सिंगापुर से भारत (केरल) आई एक महिला में कोरोना संक्रमण की पुष्टि के बाद आज हालात यह हो गए हैं कि बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 335 नए मरीज सामने आ चुके हैं। वहीं बीते एक दिन में कोरोना के कारण केरल में चार और उत्तर प्रदेश में भी एक व्यक्ति की मौत हो जाने की खबर है। जो इस बढ़ते खतरे के साफ संकेत है। सिंगापुर में एक बार फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों को देखकर सरकार द्वारा एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से अनिवार्य रूप से मास्क पहनने की अपील की गई है। भारत सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। तथा कोरोना का जो नया वेरिएंट जे एन 1 तथा बी ए 2.86 देखा जा रहा है अत्यधिक घातक नहीं है लेकिन साथ ही देश के सभी राज्यों की सरकारों को भी अलर्ट किया गया है कि वह लापरवाही न बरते। बीते कल पांच लोगों की मौत और 335 नये मरीज मिलने के बाद अब देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1701 हो चुकी है। हमें किसी भी भ्रम में रहने की जरूरत नहीं है यह बहुत पहले ही साफ हो चुका था कि हमें कोरोना के साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। इसका सीधा-साधा मतलब यह है कि कोरोना का संक्रमण एक ऐसा संक्रमण है जिसके वायरस को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है अब तक यही देखा गया है कि यह वाइरस अपने रूप को बदल लेता है। खास बात यह है कि यह आमतौर पर सर्दियों के मौसम में होने वाली मौसमी बीमारी सर्दी जुकाम, बुखार और निमोनिया जैसी ही है। लेकिन इसके गंभीर रूप ले लेने पर उसका कोरोना की श्रेणी में आ जाना और प्राण घातक सिद्ध होना चिंताजनक हो जाता है। अभी बीते कुछ महीने पहले चीन से यह खबर आई थी कि उत्तरी चीन के एक हिस्से में निमोनिया की बीमारी पैर पसार रही है। जिसकी जद में सबसे ज्यादा स्कूली बच्चे आ रहे हैं। बढ़ते निमोनिया के इस प्रकोप के कारण प्रभावित क्षेत्र के स्कूलों को बंद कर दिया गया था। कहने का आशय है कि कोरोना के जिस नए वेरिएंट को लेकर अब चिंताएं जताई जा रही है वह भी चीन से ही फैलना शुरू हुआ है। इस नए वेरिएंट की फैलने की क्षमता को बहुत अधिक बताया जा रहा है यह बहुत तेजी से फैलने वाला वायरस है इसलिए अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान देश में भारी जन-धन हानि हुई थी। कोविद-19 की जद में देश के चार करोड़ 50 लोग आए थे तथा 5,93110 को अपनी जान गंवानी पड़ी थी कहा यह भी जा रहा है कि इस नए वायरस की जद में बच्चे और वह लोग ज्यादा आ रहे हैं जिन्हें पहले कोरोना हो चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कोरोना एक अत्यंत ही घातक संक्रामक बीमारी है और देश या देश के लोग कतई भी नहीं चाहेंगे कि उन्हें दोबारा वैसी स्थिति से दो-चार होना पड़े जैसे कि पूर्व समय में वह देख चुके हैं। जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है सावधानी बरता जाना। बचाव के उपाय अपनाकर और सतर्कता बरत कर ही हम इससे सुरक्षित रह सकते हैं। इसलिए जरूरी यह है कि कोरोना काल की तरह मास्क का इस्तेमाल करें, फासले बनाकर रखें, भीड़भाड़ से बचे और साफ सफाई का ध्यान रखें।

पवमान रसस्तव दक्षो वि राजति द्युमान्।
ज्योतिर्विश्वं स्वर्दृशे॥

(ऋग्वेद ९-६१-१८)

हे परमेश्वर ! आपका ज्ञान और आनंद का सोम आपके आराधकों को पवित्र करता है। वह लौकिक और पारलौकिक समृद्धि प्रदान करता है। वह नकारात्मकता को भगाता है। वह मन और आत्मा दोनों को प्रकाशित करता है।

नगर निगम की 15 साल की विफलता के आक्रोश में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

देहरादून। देहरादून नगर निगम के कैंट विधानसभा क्षेत्र के कौलागढ़ वार्ड की सड़क व सीवर की समस्याओं के चलते पिछले 15 सालों से भाजपा नगर निगम की अनदेखी से नाराज क्षेत्रवासियों ने आक्रोश में कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ कौलागढ़ के झंडा-चौक में सरकार को जगाने के लिये धरना - प्रदर्शन किया।

धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कहा कि कौलागढ़ की दो मुख्य समस्याओं को लेकर धरना दिया जा रहा है। जिसमें शहीद नीरज थापा द्वार से बाजावाला तक सड़क निर्माण व कौलागढ़ में सीवर-लाइन के विषय पर नगर निगम देहरादून ने पिछले 15 वर्षों से क्षेत्र की अनदेखी कर रखी है। नगर निगम देहरादून में पिछले 15 साल यानी 2008 से भाजपा का ही मेयर है और 35 साल से इस क्षेत्र में भाजपा का विधायक है किंतु कौलागढ़ की इन समस्याओं का आज तक किसी ने भी समाधान करने का प्रयास नहीं किया। अगर जल्द ही क्षेत्र की समस्याओं पर सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की तो कांग्रेस सरकार को जगाने के लिए जमीनी स्तर पर ऐसे और संघर्ष तथा प्रदर्शन करेगी।

उन्होने कहा कि कांग्रेस ने निगम के होर्डिंग के 300 करोड़ के खेल का पर्दाफाश किया है और अब कांग्रेस ही देहरादून के आमजन की समस्याओं के लिये सरकार को जगाने हेतु जमीन पर संघर्ष कर रही है। धरना प्रदर्शन में कार्यक्रम अध्यक्ष अभिनव थापर, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ जसविंदर गोगी, विजय प्रसाद भट्टाराई, विनोद जोशी , घनश्याम वर्मा, अभिषेक तिवारी, ताराचंद, लक्की राणा, कुंवर सिंह, सुमित शर्मा, तनुज क्षेत्री, बृजमोहन, शिखा, बलदेव सिंह राणा सहित अन्य कई और लोग मौजूद थे।

'द रेटीना डायलॉग' कार्यक्रम में किया नेत्र चिकित्सकों का मार्ग दर्शन

संवाददाता

देहरादून। विवेकानन्द नेत्रालय रामकृष्ण मिशन द्वारा 'द रेटीना डायलॉग' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें व्याख्यान देकर नेत्र चिकित्सकों का मार्ग दर्शन किया।

आज यहां विवेकानन्द नेत्रालय-रामकृष्ण मिशन द्वारा 'द रेटीना डायलॉग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विश्व विख्याल नेत्र चिकित्सक डॉ. ज्योतिरमय विश्वास एवं डॉ. हर्षा भटटाचार्या व अन्य डाक्टर अपने व्याख्यान देकर कार्यक्रम में उपस्थित सैकडों नेत्र चिकित्सकों का मार्ग दर्शन किया। रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी असीमात्मानन्द महाराज ने समस्त आगन्तुकों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा इस संसार के सभी डाक्टर भगवान का स्वरूप हैं। हमारे जीवन का मुख्य उद्देश्य परिपूर्णता को प्राप्त करना है, हमकों अपने कार्यो को ईमानदारी से शतप्रतिशत करने पर जो संतुष्टि मिलती है वह हमें परिपूर्णता की दिशा में अग्रसर करती है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता शंकरा नेत्रालय चैन्नई के विश्व विख्यात वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. ज्यातिरमय विश्वास के द्वारा अपने अनुभवों का निचोड सांझा कर प्ररेणात्मक व्याख्यान से उपस्थित चिकित्सकों का मार्ग दर्शन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता शंकरदेवा नेत्रालय के विख्यात वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. हर्षा भटटाचार्या के द्वारा अपने वक्तव्यों से युवा चिकित्सकों में ऊर्जा का प्रवाह किया गया। इनके अलावा कार्यक्रम को विख्यात नेत्र चिकित्सकों डॉ. अजय अरोरा, दृष्टि आई हास्पिटल से डॉ. सौरभ लूथराख डॉ. रेनू धस्माना, डॉ. दिवा कान्त मिश्रा, डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. चिन्तन देसाई व डॉ. मोहित गर्ग द्वारा सम्बोधित किया गया। युवा नेत्र चिकित्सकों के मध्य जटिल नेत्र रोग शोध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार 10 हजार रूपये व द्वितीय पुरूस्कार पांच हजार रूपये का दिया गया व सभी अन्य प्रतिभागियों को शान्तवना पुरूस्कार दिया गया। विवेकानन्द नेत्रालय के चिकित्सक अधीक्षका डॉ. मानसी गुसांई पोखरियाल द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गयी। डॉ. मोनिका व डॉ. दिक्षा द्वारा मंच का संचालन किया गया। कार्यक्रम में स्वामी अन्नपूर्णानन्द, स्वामी कप्लेशानन्द, डॉ. बन्दना, डॉ अनुसा पंवार, डॉ. साक्षी देसाई, डॉ. हसन, डॉ. पलास, डॉ. मनीषा एवं डॉ. तृष्णा सहित 62 डाक्टर उपस्थित रहे।

बिजली की दरों को बढाना भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर करता है:शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि उत्तराखण्ड में बिजली उत्पादन होने के बावजूद बिजली के दामों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है जो भारतीय जनता पार्टी के दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

आज यहां महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने राज्य में बिजली के दामों में बढोतरी के प्रस्ताव पर बयान जारी करते हुए कहा कि देश एवं प्रदेश में महंगाई हर क्षेत्र में अपने चरम पर है। आम जरूरत की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं तथा गरीब आदमी दो जून की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है वहीं राज्य सरकार द्वारा बिजली के दामों में भारी वृद्धि करने का निर्णय लिया है जिससे महंगाई के बोझ से दबती जनता के बोझ में और इजाफा होगा। लालचन्द शर्मा ने कहा कि एक ओर जहां कई राज्य सरकारों द्वारा अपने राज्य की जनता को बिजली मुफ्त दी जा रही है तथा राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा हाल ही मे सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पहुंचकर बिजली के बिल माफ करने की बात की जा रही है वहीं उत्तराखण्ड में बिजली उत्पादन होने के बावजूद बिजली के दामों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है जो भारतीय जनता पार्टी के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा की केन्द्र सरकार लोगों की पीडा को दर किनार करते हुए प्रत्येक क्षेत्र में मंहगाई बढ़ाने का काम कर रही है वहीं राज्य सरकार बिजली के दाम कम करने की बजाय दाम बढ़ा कर लोगों के घावों पर नमक छिडकने का काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि उत्तराखण्ड विद्युत उत्पादक राज्य के रूप में जाना जाता है यहां पर टिहरी बांध, कोटेश्वर, मनेरी-भाली सहित उत्तराखण्ड में वर्तमान में, 25 जल-विद्युत परियोजना (6 मध्यम एवं 19 लघु) 2378 मेगावाट क्षमता के साथ निर्माणरत चरण में हैं, तथा 21,213 मेगावाट क्षमता वाली 197 जल-विद्युत परियोजनाएं उत्तराखंड के विभिन्न नदी घाटियों में प्रस्तावित हैं। ऐसे में जल विद्युत परियोजनाओं से राज्यवासियों को लाभ के रूप में घरेलू उपभोग के लिए मात्र 1 रूपये 50 पैसे प्रति यूनिट पर बिजली दी जानी चाहिए। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार विद्युत दरों को बढ़ाने के प्रस्ताव को शीघ्र वापस लेने, राज्य के किसानों को मुफ्त बिजली देने के साथ ही विद्युत सरचार्ज व मीटर किराया समाप्त किया जाए।

जरुरत से ज्यादा शरारती तो नहीं है आपका बच्चा

आमतौर पर बच्चे शरारती तो होते ही हैं। हमारे बच्चे की यही शरारत कहीं उसकी पर्सनैलिटी पर तो हावी नहीं हो रही है। जरुरत से ज्यादा शरारती बच्चे एक मानसिक समस्या का शिकार होते हैं, जिसे मेडिकल की भाषा में श्अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डरश् कहा जाता है। आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि आखिर किसी बच्चे के लिए उसकी शरारतें किस तरह उसके मानसिक विकास में बाधा डाल सकती हैं? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एकाग्रता की कमी के चलते बच्चा किसी एक काम पर अपना ध्यान नहीं लगा पाता है और इस कारण अपनी योग्यता का सही उपयोग नहीं कर पाता है। यदि बचपन में ही बच्चे की इस समस्या पर ध्यान ना दिया जाए तो यह दिक्कत उसे टीनऐज तक परेशान कर सकती है। जबकि कुछ बच्चों में यह दिक्कत 25 साल की उम्र तक भी बनी रह सकती है। यानी जिस उम्र में बच्चा अपने करियर पर फोकस करता, उस उम्र में । अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डर के कारण बच्चा किसी भी एक काम पर एक बार में ध्यान ही नहीं दे पाता है।

अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) बच्चे की नई चीजें सीखने की क्षमता को बाधित करता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चा जब किसी एक काम को कर रहा होता है तो वो उस पर कुछ मिनट के लिए ही ध्यान लगा पाता है और फिर उसका मन किसी दूसरे काम को करने के लिए होने लगता है। जैसे ही बच्चा उस काम को करना शुरू करता है, उसका ध्यान किसी तीसरे काम की तरफ चला जाता है... हम सोचते हैं कि बच्चा शैतानियां कर रहा है लेकिन हकीकत तो यह है कि वह मानसिक रूप से बेचौन हो रहा होता है। जिन बच्चों में एडीएचडी की दिक्कत होती है उनमें और जो बच्चे शरारती होते हैं उनमें, बहुत मामूली सा फर्क होता है। लेकिन इस फर्क को पहचानना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि अगर हम यहां चूक गए को हमारी इस भूल का खामियाजा बच्चे को भुगतना पड़ेगा। आमतौर पर बच्चे में 3 से 4 साल की उम्र में इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगते हैं। खास बात यह है कि ये लक्षण ज्यादातर बच्चों में 12 से 13 साल की उम्र तक बने रहते हैं। जबकि कुछ मामलों में ये 25 साल की उम्र तक व्यक्ति के साथ रहते हैं।

थोड़ी सी लापरवाही दातों पर पड़ सकती है भारी!

सफेद मोतियों जैसे दांत इंसान के व्यक्तिव का पता बताते हैं। हर किसी की चाहत होती है कि दांत बदबूदार रहित हो। उसमें सड़ान और सूराख पैदा न होने पाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब आधी बीमारियां खराब दांतों की वजह से होती हैं। इसलिए दांत इंसानी शरीर का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। जीवित रहने के लिए इंसान खाने-पीने पर निर्भर होता है और खाने के लिए स्वस्थ दांत जरूरी हैं क्योंकि पेट तक पहुंचनेवाली खुराक दातों के माध्यम से जाती है। मसूढ़ों के अंदर पीप आहार के साथ पेट में दाखिल होते हैं। जिसकी वजह से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी दांत इतने खराब हो जाते हैं कि आहार लेना मुश्किल हो जाता है। सिर्फ मुलायम खाने पर ही गुजारा करना पड़ता है। इसलिए दांतों की सफाई अगर बचपन से ही शुरू की जाए तो बरसों तक उसके खराब होने की आशंका नहीं रहती है।

जब भी दांतों में कोई बीमारी लगती है तो इसके पीछे हमारी लापरवाही मुख्य वजह होती है। दांतों को बदबूदार रहित, चमकीला और स्वस्थ बनाए रखने के लिए खाने के बाद अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है?। वरना खुराक दातों में फंस जाते हैं और कुछ समय बाद उसमें सड़ान की प्रक्रिया शुरू जाती है। दातों के लिए इस्तेमाल किए जानेवाले ब्रश ज्यादा नरम और ज्यादा कड़े नहीं होने चाहिए। दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी है दांतों की अच्छे तरीके से सफाई। विशेषज्ञों के मुताबिक एक ही ब्रश कई महीनों तक इस्तेमाल नहीं किए जाने चाहिए। उनकी सलाह है कि तीन महीने बाद ब्रश जरूर बदल लें। दांतों में फंसी हुई खुराक निकालने के बाद ही ब्रश शुरू करना चाहिए। दांत साफ करते वक्त ब्रश को कलम लिखने की स्टाइल में पकड़ना चाहिए। स्टैंडर्ड टूथ ब्रश और पेस्ट से दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखा जा सकता है। दातों में सूराख का हो जाना उसे कमजोर करता है साथ ही मसूढ़ों को भी प्रभावित करने का कारण बनता है। इसलिए फ्लोराइड वाले टूथ पेस्ट इस्तेमाल किए जाने चाहिए। फ्लोराइड सूराख के खिलाफ दांतों में प्रतिरोधक पैदा करता है।

सर्दियों में अपनी त्वचा को यूं रखें स्वस्थ

अगर आप सर्दियों में अपनी त्वचा की अच्छी तरह देखभाल करती हैं तो फिर आप इसे प्रतिकूल प्रभाव से बच सकती हैं। सही देखभाल से आपकी त्वचा सौम्य और निखरी रहेगी।

लूमिएर डर्मेटोलॉजी की मेडिकल निदेशक किरन लोहिया ने सर्दियों के दौरान त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के ये सुझाव दिए हैं। दिन में बरती जाने वाली सावधानियां

इस प्रकार हैं। ज्यादा देर तक नहीं स्नान करें और गर्म पानी के बजाय गुनगुने पानी से नहाएं। 7.5 पीएच बैलेंस वाले साबुन की अपेक्षा 5.5 पीएच बैलेंस वाले सौम्य साबुन का इस्तेमाल करें। ज्यादा पीएच बैलेंस वाले साबुन त्वचा को रूखा बना सकते हैं और एक्जिमा या दाने भी हो सकते हैं। प्राकृतिक मॉइश्चराइजर से युक्त सौंदर्य उत्पादों का इस्तेमाल करें। इसे त्वचा में नमी बनी रहेगी और त्वचा रूखी नहीं होगी। हाइलुरोनिक एसिड और ग्लिसरीन युक्त लोशन का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

सर्दियों में अधिकांश लोग धूप में देर तक बैठे रहते हैं और कई ऐसा मानते हैं कि सर्दियों में सन टैन नहीं होता, जो सरासर गलत है। सर्दियों में भी सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए एसपीएफ-30 या इससे ज्यादा एलपीएफ वाला लोशन लगाएं। सर्दियों के दौरान जलवायु शुष्क हो जाती है, जिससे आपकी त्वचा की नमी खो जाती है, इसलिए विशेष रूप से रात में अपने शयनकक्ष में ह्यूमीडिफायर का इस्तेमाल जरूर करें। मॉइश्चराइजर युक्त फेसवॉश या क्लींजर का इस्तेमाल करें, जिससे आपकी त्वचा रूखी न हो और महीन रेखाएं या झुर्रियां न पड़ सकें। सौम्य त्वचा के लिए साबुन मुक्त क्लींजर का इस्तेमाल करें। हाथों के लिए अल्कोहल फ्री सैनीटाइजर का रात में इस्तेमाल करें। सर्दियों में अपनी त्वचा को सौम्य व स्वस्थ बनाए रखने के लिए ओमेगा फैटी एसिड युक्त नट्स, अखरोट आदि खाएं। इससे आपकी त्वचा में नमी बरकरार रहती है।

बड़ी-बड़ी बीमारियों से बचाता है छोटा सा आंवला

छोटा सा आंवला सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है, खासतौर पर ठंड के मौसम में आप आंवले का सेवन किसी भी रूप में करे आपके लिए अच्छा ही होगा। हम आपको बताते हैं आंवले के वो पांच फायदे जो जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

रोजाना आंवले खाने से शरीर में शुगर का स्तर संतुलित रहता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स क्रीएटिनाइन के सीरम का स्तर सामान्य करता है।

रोजाना आवंला खाने से पाचनक्रिया सही रहती है।

आंवले में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में होती है, जो बालों के प्राकृतिक रंग को बरकरार रखते हैं। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में है, जो कार्सिनोजेनिक कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं और कैंसर से बचाव करते हैं।

टाइम मैनेजमेंट से नहीं पड़ेगा पछताना

कड़ी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में समय के साथ चलना बेहद जरूरी है। अक्सर हम बाद में पछताते हैं कि हमारे पास समय बहुत कम था, इसीलिए काम नहीं कर सके या अच्छा नहीं कर सके...। दरअसल कई बार टाइम मैनेजमेंट ठीक न होने से भी ऐसी दिक्कतें सामने आती हैं। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना ही बेहतर और समय पर होगा।

1- बनाएं एक फॉर्मेट

हर काम की शुरुआत प्लानिंग के साथ करें। ऑफिस में हों या घर पर, कार्यों की एक सूची प्राथमिकता के अनुसार तैयार रखें। पेपर, मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर पर लिस्ट बनाएं। काम को 3-4 शिफ्ट्स में बांटें। प्राथमिकता के अनुसार उन्हें निपटाएं। कोई काम हो जाने पर लिस्ट से क्रॉस करें ताकि पता चलता रहे कि कितने काम पूरे हुए और कितने नहीं।

2- याद रखें

अपनी एक दिन पहले की एक्टिविटीज को याद करें। यह भी याद करें कि कितनी देर सोए, कितना समय व्यर्थ किया और कितनी देर वास्तव में काम किया। इससे यह जानने में आसानी होगी कि किस काम में आपका ज्यादा समय लगा। इसे अगले दिन मैनेज करने की कोशिश करें।

3- बदलाव ज़रूरी है

हर काम को बेहतर बनाने में समय के साथ बदलाव की भी ज़रूरत होती है। अगर ऐसा लग रहा हो कि योजनाबद्ध ढंग से काम कर रहे हैं, फिर भी समय से काम नहीं हो रहा है तो कार्यशैली में बदलाव लाएं। अगर एकदम से कोई ज़रूरी काम

आ गया हो तो उसे भी अपनी लिस्ट में शामिल करें। काम की गति बढ़ा दें।

4- निर्धारित तय सीमा

ध्यान रखें कि किस काम को पहले करना है और किसे बाद में। अगर कोई काम बहुत ज़रूरी है तो उसे पहले पूरा करें। जब आप फ्री हों तो ई-मेल्स, जरूरी कॉल्स या मेसेज भेजने जैसे कामों को निपटाएं और अपना समय बचाएं।

5- लक्ष्य पर हो ध्यान

हो सकता है कि आपके पास ढेर सारा काम हो लेकिन जो भी काम करें, उसे पूरे परफेक्शन और फोकस के साथ करें। एक समय में एक काम पर ही फोकस रखें। इससे न सिर्फ आपका टाइम बचेगा बल्कि एनर्जी की भी बचत होगी। हो सकता है कि एक काम के दौरान दूसरा काम आ जाए, ऐसे में जिस काम की डेडलाइन पहले हो, उसे निपटाने में ही समझदारी है।

6- आत्म विश्लेषण

टाइम मैनेजमेंट के टिप्स आजमाने के बाद आत्म विश्लेषण भी करें। प्लानिंग के हिसाब से काम कर सके या नहीं, दिन बीतने के बाद इसका मूल्यांकन जरूर करें। गलतियों को ध्यान में रखें और कोशिश करें कि वे दोबारा न हों।

एक नज़र

-चैटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी जैसे कामों का समय तय कर काफी समय बचा सकते हैं।

-प्राथमिकताएं तय करें, जो काम ज़रूरी है उसे तुरंत करें और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय करें। काम याद रखने के लिए फोन पर रिमाइंडर लगाएं या अलार्म सेट करें।

-काम ज्यादा है तो जिम्मेदारियों को भी सौंपें। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आपके काम की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

अमेरिका सचमुच गंभीर है

साफ है कि अमेरिका पन्नूं मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत भी इस मामले में अमेरिका को संभवत- वैसी चुनौती नहीं देना चाहता, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ भारतीय जांच की रिपोर्ट पर निर्भर है।

खालिस्तानी कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की कथित कोशिश के मामले में अमेरिका भारत के प्रति कोई रियायत बरतने के मूड में नहीं दिखता। लगभग रोजमर्रा के स्तर पर वहां के सरकारी अधिकारी या प्रवक्ता ऐसे बयान दे रहे

हैं, जिनका सार यह होता है कि अमेरिका इस मामले में दबाव बनाए हुए है। ताजा बयान अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर का है, जिन्होंने कहा है कि अमेरिका ने यह मसला सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तरों पर उठाया है। मिलर ने यह भी साफ कर दिया कि अमेरिका ने पन्नूं के मामले को कनाडा में हुई खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से जोड़ दिया है। मैथ्यू ने यह अमेरिकी रुख दोहराया कि उनके देश ने भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने का 'अनुरोध' किया है।

इस मामले में भारत में कराई जा रही जांच का स्वागत करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें इसके नतीजे का इंतजार रहेगा। मिलर ने भी इसका जिक्र किया और कहा- 'भारत ने इस मामले की जांच का सार्वजनिक एलान किया है। हम इसके नतीजों का इंतजार करेंगे, लेकिन यह एक ऐसा मामला है, जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं।' इसी बीच ये खबर आई है कि अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर ए व्रे इस जांच की समीक्षा करने के लिए 11-12 दिसंबर को भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान मुलाकात एनआईए के प्रमुख दिनकर गुप्ता से होगी। इसके पहले इसी हफ्ते अमेरिका के प्रमुख उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर भारत आए। हालांकि उनकी यात्रा का घोषित मकसद महत्त्वपूर्ण एवं उभरती तकनीक के मामले में भारत-अमेरिका पहल की समीक्षा करना था, लेकिन अमेरिका ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस दौरान पन्नूं मामले को भी फाइनर ने उठाया। तो साफ है कि अमेरिका इस मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत सरकार भी इस मामले में अमेरिका को संभवत- वैसी चुनौती नहीं देना चाहती, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष पर निर्भर हो गया है। (आरएनएस)

महुआ का मामला उलटा पड़ सकता है

भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल की महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता समाप्त करा दी। पहले उसके एक सांसद ने महुआ के पार्टनर रहे एक व्यक्ति की ओर से मुहैया कराए गए दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाया कि महुआ ने पैस लेकर संसद में सवाल पूछे हैं। फिर उसी भाजपा सांसद ने स्पीकर से लेकर लोकपाल तक में महुआ की शिकायत की। फिर भाजपा सांसद की अध्यक्षता वाली एथिक्स कमेटी में भाजपा के सांसदों ने छह-चार के बहुमत से महुआ को लोकसभा से निष्कासित करने का प्रस्ताव मंजूर कराया। उसके बाद इस रिपोर्ट को लोकसभा में रखा गया, जिसे भाजपा के सांसदों ने पास किया और इस तरह से महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता समाप्त हो गई।

महुआ पहली बार की लोकसभा सांसद थीं और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक के तौर पर उभर रही थीं। अपने फायरब्रांड भाषणों की वजह उनको इंस्टेंट लोकप्रियता मिली थी। फासीवाद पर दिए अपने भाषण और अडानी के खिलाफ स्टैंड को लेकर वे चर्चा में रहीं। पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोपों के बाद भारत में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उनको समर्थन मिला। बाद में उनकी पार्टी भी उनके पक्ष में खड़ी हुई और सदस्यता समाप्त होने से पहले ही उन्हें संगठन की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। अब पार्टी ने उनको लोकसभा चुनाव लड़ाने का ऐलान किया है। वे खुद कह रही हैं कि वे पहले से ज्यादा अंतर से जीतेंगी। सदस्यता खत्म होने के बाद उन्होंने इसे महिला को प्रताड़ित करने और उसे सजा देने का मुद्दा बनाया है। भाजपा भी महिल मतदाताओं को अपने साथ जोडने के अभियान में लगी है लेकिन ममता और महुआ मोइत्रा का मामला बांग्ला महिलाओं में अपील कर सकता है। इसलिए भाजपा को इस मामले में सोच-समझ कर आगे बढना चाहिए।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में भुट्टा खाना है सेहत के लिए फायदेमंद

भुट्टा, मकई, कॉर्न से पूरी दुनिया में जाना जाने वाला मक्का एक ऐसा अनाज है जो बहुत ज्यादा सेहतमंद होता है। इसमें विटामिन, फाइबर, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह आंख और पेट दोनों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पूरी दुनिया में भुट्टा ऐसा अनाज है जो काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। साथ ही पूरी दुनिया में इसके कई किस्मों को उगाया जाता है। यह स्वाद में लाजवाब और गुणों से भरपूर होने के साथ-साथ सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको इसके फायदे के बारे में बताएंगे।

मक्का आपके पाचन तंत्र के लिए बहुत बढिया है। चारे की मदद से आपको मल त्यागने में आसानी होती है। साथ ही यह पेट से जुड़े सहायक उपकरण जैसे कि आदिम से भी राहत प्राप्त करने में मदद करता है।

मेक्सिको मक्का एंटीऑक्सीडेंट का स्रोत है, जो आपके दिल की सेहत के लिए बढिया है। यह दिल को नुकसान पहुंचाता है। यदि आप हाई ब्लड शुगर से पीड़ित हैं तो मक्के के दाने आपके लिए बहुत चमत्कारी साबित हो सकते हैं। टाइप-2 पर आधारित शोध में मक्के को सीधे तौर पर सहायता माना गया है। रोजाना मक्का खाने से मधुमेह या रक्त ग्लूकोज को कम करने का दावा साबित होता है। इसके साथ ही मधुमेह में मक्के को कार्बोहाइड्रेट, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन से भरपूर स्रोत के रूप में शामिल करने की सलाह दी जाती है। मक्के के सेवन से सर्दी की समस्या से कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

मक्के में मौजूद आपके एंटीऑक्सीडेंट साथियों को नुकसान होने से बचाया जा सकता है, जो कैंसर का खतरा बन सकते हैं। मक्के में कैरोटीनॉयड भी होता है, जिसमें कैंसर प्रतिरोधी गुण होते हैं।

मक्के में ल्यूटिन और ज़ेक्सैन्थिन अच्छी मात्रा में होता है। ये दोनों कैरोटीनॉयड आंखों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ल्यूटिन और ज़ेक्सैन्थिन आपकी आंखों को उम्र से संबंधित मैकऑलर डीजेनरेशन (एएमडी) से उबरने में मदद कर सकते हैं, जो बुढ़ापे में अंधापन का एक प्रमुख कारण है।

मक्का विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है। जो आपके प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। विटामिन सी आपके शरीर में संक्रमण से लडने में मदद करता है और फेफड़ों को ठीक करने में मदद करता है।

मक्का रक्तप्रवाह में ग्लूकोज़ के अवशोषण को कम करता है। इस कारण से, यह मधुमेह या मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। (आरएनएस)

42 साल की शमा सिकंदर की फिटनेस ने किया हैरान

शमा सिकंदर ने वैसे तो अपने लंबे एक्टिंग करियर में तमाम म्यूजिक वीडियोज, फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। हालांकि, उनके अपने किसी भी प्रोजेक्ट से ज्यादा लुक्स के कारण ही पॉपुलैरिटी मिली है। हालांकि, आज देखते ही देखते शमा सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। लगभग हर दिन वह अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने नए लुक्स शेयर कर फैंस के दिलों की धडकनें तेज कर देती हैं। अब फिर से उनका नया अवतार दिखाया है।

लेटेस्ट फोटोशूट में शमा लैवेंडर शेड का सीक्वेंस वाला ऑफ शोल्डर गाउन पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने इस लुक को न्यूड शाइनी बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आईज से कंप्लीट किया है।

इसके साथ शमा ने बालों को ओपन रखा हुआ है। एक्सेसरीज के लिए शमा ने सिर्फ कानों में ऑक्सीडाइज्ड पर्ल ईयररिंग्स पहने हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने ग्लैमरस पोज दिए हैं। इस फोटो में वैसे पोज दे रही हैं, जैसे किसी की राह देख रही हैं। इस लुक में हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर उनका ये नया लुक भी वायरल होने लगा है।

शमा की इस ग्लैमरस लुक को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि वह 42 साल की हो चुकी हैं। आज भी एक्ट्रेस ने अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखा है। शमा अपने हॉट लुक और परफेक्ट फिगर से बॉलीवुड की कई बड़ी और स्टाइलिश एक्ट्रेस को कड़ी टक्कर दे सकती हैं। अक्सर वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हुए फैंस के साथ नए लुक्स शेयर करती रहती हैं।

शब्द सामर्थ्य -033

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

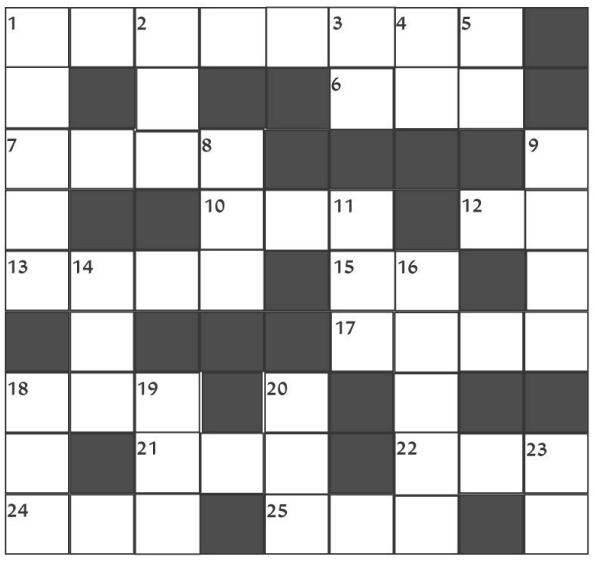

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 32 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

इमरान हाशमी तेलुगु सिनेमा में शुरुआत करने के लिए उत्सुक

इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म टाइगर 3 की सफलता का आनंद उठा रहे हैं।फिल्म में इमरान, आतिश के किरदार से नजर आए हैं, जिससे उन्होंने दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।टाइगर 3 टिकट खिडकी पर खूब नोट छाप रही है तो अब इमरान तेलुगु सिनेमा में अपनी किस्मत आजमाने के लिए तैयार हैं।इमरान, पवन कल्याण की एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं, जिसको लेकर अब उन्होंने बात की है। इमरान तेलुगु फिल्म ओजी में शामिल हुए हैं, जिसका निर्देशन फिल्म साहो के निर्देशक सुजीत कर रहे हैं।

इमरान ने बताया कि यह एक पैन इंडिया होगी, जिसके जरिए वह बड़े दर्शक वर्ग तक अपनी पहुंच बनाना चाहते हैं।इमरान कहते हैं कि जो दर्शक उन्हें सिर्फ एक अभिनेता के रूप में जानते हैं, लेकिन उनकी फिल्म नहीं देखी, वे उन तक अपनी फिल्में लेकर जाएंगे।वह साउथ इंडस्ट्री का भी हिस्सा बनना चाहते हैं।

इस दौरान इमरान ने अपने किरदार के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया, लेकिन यह बताया कि उनका किरदार मजेदार होने वाला है।उन्होंने कहा, मैं जो किरदार निभा रहा हूं और निर्देशक सुजीत ने फिल्म के लिए जो दुनिया बनाई है, वह बेहद आकर्षक है। मैं पवन कल्याण के साथ काम करके भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, जिनकी स्क्रीन पर उपस्थिति अद्भुत होती है।कहा जा रहा है इस फिल्म में भी इमरान नकारात्मक किरदार ही निभाने वाले हैं।

बॉलीवुड सितारे अब साउथ में कदम रखते जा रहे हैं। शनाया कपूर, मोहनलाल की फिल्म वृषभ का हिस्सा हैं तो जाह्नवी कपूर फिल्म देवरा में जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगे। आलिया भट्ट, अजय देवगन, रवीना टंडन साउथ में पिछले साल शुरुआत कर चुके हैं।

टाइगर 3 इमरान के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म बनी है। ऐसे में आतिश के रूप में उन्हें मिले प्यार से इमरान काफी खुश हैं।इमरान का कहना है कि जब इतने सारे लोग आपकी फिल्म देखने जाते हैं, तो यह पूरी टीम के लिए अच्छी बात है।उन्होंने बताया कि उन्हें कभी भी ये उम्मीद नहीं थी कि वह टाइगर फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन जाएंगे। उन्होंने फिल्म की पहली दोनों किस्त देखी थी, जो उन्हें पसंद आई।

मेरे लिए दोस्ती सबसे महत्वपूर्ण है: आंचल साहू

शो परिणीति में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री आंचल साहू ने कहा कि परिणीति के किरदार में कदम रखना, एक ऐसा किरदार जो नीति के साथ अपनी दोस्ती को गहराई से महत्व देता है, उसे अपनी मान्यताओं की प्रतिकृति जैसा लगता है। परिणीति अपनी सम्मोहक कहानी के लिए दर्शकों से प्रशंसा बटोर रही है, जो परिणीत (अंचल), संजू (अंकुर वर्मा), और नीति (तन्वी डोगरा) जैसे पात्रों के साथ एक जटिल प्रेम त्रिकोण बुनती है। शो में संजू नीति से तलाक के बाद परिणीत के सामने शादी का प्रस्ताव रखते हैं लेकिन परिणीत उनके प्रस्ताव को खारिज कर देती हैं और उनसे सवाल करती हैं कि वह अपनी सबसे अच्छी दोस्त नीति को कैसे छोड़ सकते हैं क्योंकि पहले उन्होंने अपने सारे रिश्ते दांव पर लगा दिए थे। उसने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि इससे नीति का दिल टूट जाएगा। परिणीत के किरदार की तरह, जो शो में प्यार से ज्यादा दोस्ती को महत्व देती है, आंचल अपने वास्तविक जीवन में भी दोस्ती के महत्व को दर्शाती है। दोस्ती और उसके महत्व के बारे में बात करते हुए, आंचल ने कहा- दोस्ती, मेरे लिए, मेरे जीवन की आधारशिला रही है। परिणीत के किरदार में कदम रखना, एक ऐसा किरदार जो नीति के साथ अपनी दोस्ती को गहराई से महत्व देता है, मेरे अपने विश्वासों की प्रतिकृति जैसा लगता है। मैं अपने वास्तविक जीवन में बहुत अच्छे दोस्त पाकर बहुत भाग्यशाली हूं, जिनके साथ मैं खुद रह सकता हूं और अपनी खुशियां और दुख साझा कर सकता हूं। जब भी परिणीति के सेट पर छुट्टी होती है, मैं अपने दोस्तों के साथ कुछ हंसी-मजाक भरे पल बिताना सुनिश्चित करती हूं। मैं हमेशा उनसे मिलने के लिए उत्सुक रहती हूं। वे ही हैं जो हमेशा हर संभव तरीके से मेरा समर्थन करते हैं और मुझे प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए दोस्ती सबसे महत्वपूर्ण है।

वेस्टर्न लिबास छोड़ देसी रंग में रंगी वाणी कपूर

वाणी कपूर जब भी पर्दे पर आती हैं फैंस उन्हें देखते ही रह जाते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाया है, लेकिन वाणी हमेशा ही अपनी फिल्मों से ज्यादा खूबसूरती, फिटनेस और स्टाइलिश लुक्स के कारण चर्चा में रही हैं। उनकी हर अदा पर आज दुनियाभर के चाहने वाले फिदा हो जाते हैं। एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अक्सर वह अपने नए लुक्स फैंस के साथ शेयर कर दिलों की धड?नें बढ़ा देती हैं।

अब फिर से वाणी ने अपना नया लुक दिखाया है। लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने वेस्टर्न लिबास छोड़ एथनिक अवतार ओढ़ लिया है। इस बार वह गोल्डन शिमर साड़ी में कहर बरपा रही हैं। वाणी ने इस नए लुक में कई किलर पोज देते हुए फोटोशूट करवाया है।

वाणी ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स का टच देकर ओपन रखा हुआ है।

एक्सेसरीज के तौर रप वाणी ने गोल्ड ईयररिंग्स और एक हाथ में ब्रेसलेट कैरी किया है। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। अपनी इन फोटोज को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में अमृता प्रीतम की कविता से चंद लाइने लिखी है। वाणी ने पंजाबी भाषा में लिखा, इस खाकी मिट्टी की मूर्ति में, हुस्न इश्क ऐसा रहे, मानो सौ सालों से सो रही शहजादी के दो नैन।

दूसरी ओर वाणी के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार उन्हें 2022 में रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा में देखा गया था। फिलहाल एक्ट्रेस काफी समय से मंडाला मर्डर्स टाइटल से बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। फैंस उन्हें फिर पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

शिल्पा शेट्टी की सुखी का आएगा सीक्वल, अगले साल शुरू होगी शूटिंग

शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार फिल्म सुखी में देखा गया था, जो 22 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बेशक फिल्म में शिल्पा ने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।फिलहाल, सुखी नेटफ्लिक्स पर धमाल मचा रही है। यह नेटफ्लिक्स पर दुनियाभर की टॉप-10 में पांचवें स्थान पर है तो वहीं भारत में नंबर-1 पर। ऐसे में अब निर्माता सुखी की दूसरी किस्त बनाने की योजना बना रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोनल जोशी के निर्देशन में बनी फिल्म सुखी का सीक्वल

बनने जा रहा है। हालांकि, खबर की पुष्टि होना बाकी है।एक सूत्र ने बताया, निर्माताओं ने शिल्पा के साथ फिर से सुखी 2 बनाने का फैसला किया है। निर्देशक और लेखकों ने दूसरी किस्त पर विचार करना शुरू कर दिया है, जिसमें पहले भाग के कई कलाकार और कुछ नए कलाकार भी शामिल होंगे।अगले साल फिल्म शुरू हो सकती है। सुखी के जरिए शिल्पा ने लंबे अरसे बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की। इसमें अमित साध, दिलनाज ईरानी, कुशा कपिला, पवलीन गुजराल, चैतन्य चौधरी और अमित साध जैसे कलाकार भी हैं।इसका निर्देशन सोनल जोशी ने किया है तो वहीं फिल्म की कहानी राधिका आनंद ने पॉलोमी दत्ता और रूपिंदर इंद्रजीत के साथ मिलकर लिखी है।सुखी भूषण कुमार द्वारा निर्मित है। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म ने महज 1.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

फातिमा सना शेख की धक धक ने नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक

इस साल सिनेमाघरों में कुछ बेहतरीन वुमन ओरिएंटेड फिल्में रिलीज हुईं। ऐसी ही एक शानदार महिला प्रधान फिल्म 'धक धक' भी थी। इस फिल्म में रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, संजना सांघी और फातिमा सना शेख ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म में ये चारों दिलेर महिलाएं दिल्ली से खारदुंग ला तक बाइक राइडिंग करती हैं। अगर आप सिनेमाघरों में इस फिल्म को देखने से चूक गए हैं, तो अब आपके लिए गुड न्यूज है। दरअसल 'धक धक' अब ओटीटी पर घर बैठे एंजॉय की जा सकती है। चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म ओटीटी के किस प्लेटफॉर्म पर अवेलेबल है।

'धक धक' सिनेमाघरों में 13 अक्टूबर, 2023 को रिलीज हुई थी। वहीं थिएट्रिकल रिलीज के अब दो महीने बाद फिल्म को ओटीटी रिलीज मिल गई है। चार महिला की कहानी पर बेस्ड । फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। बता दें कि डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म का

एक पास्टर साझा करक इसका आटाटा रिलीज की अनाउंसमेंट की है। पोस्ट में लिखा गया है, थ्रिल के लाइसेंस के साथ, 4 महिलाएं अनजान वेंचर के लिए डेयर करती हैं।

फिल्म 'धक धक' में अलग-अलग फील्ड की चार महिलाओं की कहना दिखा गई है। ये सभी इमोशन, थ्रिल और डिस्कवरी से भरी एक एक्स्ट्राऑडिनरी जर्नी पर साथ चलने के लिए हाथ मिलाती है। ये सभी दिल्ली से खारदुंग ला तक बाइक राइडग करन का फसला लता ह। य फिल्म इमोशनस करती है तो महिलाओं में जोश भी भरती है साथ ही ये फुल एंटरटेनमेंट की भी गारंटी देती है।

'धक धक' को वायकॉम18 स्टूडियोज ने तापसी पन्नू और प्रांजल खंडडि?ा की आउटसाइडर फिल्म्स और बीएलएम पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को तरूण डुडेजा ने डायरेक्ट किया है और इसकी पारिजात जोशी और तरूण डुडेजा ने को-राइटिंग की है।

वीपी सिंह नए अम्बेडकर हैं!

अजीत द्विवेदी

डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर इस समय भारतीय राजनीति और कुछ हद तक समाज के भी सबसे बड़े आईकॉन हैं। छह दिसंबर को उनको महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने की जैसी कतार लगी वह मिसाल है। पहले सिर्फ कांशीराम और मायावती को उनकी जरुरत थी या रिपब्लिकन पार्टी के अलग अलग धड़े उनके नाम की माला जपते थे। लेकिन अब सबको उनकी जरुरत है। आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने तो सरकारी कार्यालयों में महात्मा गांधी की तस्वीरें उतरवा कर अम्बेडकर की तस्वीरें लगा दी हैं। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यू ने भीम संसद यात्रा निकाली और 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर पटना में भीम संसद रैली की। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने डॉक्टर अम्बेडकर की तस्वीरों के साथ दलित गौरव यात्रा निकाली। कांग्रेस और भाजपा जैसी बड़ी पार्टियों के साथ-साथ प्रादेशिक पार्टियां और दलित राजनीति में उभर रहे नए युवा चेहरे भी उनके नाम की राजनीति कर रहे हैं। डॉक्टर अम्बेडकर इस समय वोट दिलाने वाला सबसे प्रभावी नाम हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि यह स्थिति हमेशा थी। आजादी से पहले डॉक्टर अम्बेडकर ने दलित और उसके साथ साथ तमाम पिछड़े और वंचित समूहों के लिए बहुत काम किया। उन्होंने आजादी की लड़ाई के समानांतर दलितों, पिछड़ों, वंचितों की लड़ाई लड़ी और संविधान में उनको अधिकार दिलाए। लेकिन आजादी के बाद अम्बेडकर बड़ी राजनीतिक शख्सियत नहीं बन पाए। वे हर बार लोकसभा का चुनाव हारे। नेहरू की कृपा से सांसद और मंत्री बने फिर नाराज होकर इस्तीफा भी दिया। हालांकि तब भी वे दलित उत्थान की अपनी राजनीति करते रहे। निधन के बाद कोई तीन दशक तक वे इतिहास की अतल गहराइयों में दबे रहे। अस्सी के दशक में कांशीराम ने बहुजन समाज पार्टी का गठन किया और जय भीम के नारे के साथ राजनीति शुरू की तो डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के योगदान पर चर्चा शुरू हुई। हालांकि वह भी कम मुश्किल काम नहीं था। कांशीराम और मायावती उत्तर प्रदेश के गांवों में अम्बेडकर की मूर्तियां लगाते थे और जातीय अहंकार में कही ऊंची जाति के लोग तो कहीं पिछड़ी जाति के लोग उन्हें तोड़ देते थे। समय का चक्र ऐसा चला कि इस साल अक्टूबर में अमेरिका के मेरीलैंड में डॉक्टर अम्बेडकर की 19 फीट ऊंची प्रतिमा लगी, जिसे स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी का नाम दिया गया और 26 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट में उनकी मूर्ति का अनावरण किया।

डॉक्टर अम्बेडकर के बारे में इतनी लंबी भूमिका लिखने का मकसद यह जानकारी सामने लाना है कि इतिहास की अतल गहराइयों से उनको निकाल कर भावी इतिहास के पहले पन्ने पर लाने वालों में कांशीराम और मायावती के अलावा तीसरे व्यक्ति विश्वनाथ प्रताप सिंह उर्फ वीपी सिंह थे, जिनके प्रधानमंत्री रहते मार्च 1990 में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। अब स्थितियां ऐसी बनी हैं कि अपने आप यह सवाल उठ रहा है कि क्या इतिहास अपने को दोहराएगा? बिल्कुल डॉक्टर अम्बेडकर की तरह इतिहास की अतल गहराइयों में दबा दिए गए वीपी सिंह के भी दिन लौटेंगे और देश पिछड़ों के उत्थान के लिए किए गए उनके फैसले को याद करेगा और उन्हें सम्मानित करेगा? वीपी सिंह ने बरसों से दबी मंडल आयोग की रिपोर्ट को झाड़-पोंछ कर निकाला था और उसे लागू कर दिया था। उन्होंने देश की 52 फीसदी पिछड़ी आबादी को सरकारी संस्थानों में दाखिले और सरकारी नौकरियों में 27 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की। इसके लिए उन्हें अपनी सत्ता गंवानी पड़ी और अपने ही समाज के लोगों के बीच अपमानित होना पड़ा। लेकिन उनका वह फैसला देश की राजनीति और सामाजिक व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन लाने वाला साबित हुआ।

वीपी सिंह ने जो काम डॉक्टर अम्बेडकर के लिए किया था लगभग उसी तरह का काम डीएमके नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वीपी सिंह के लिए किया है। स्टालिन ने पिछड़ों का मसीहा और उद्धारक बताते हुए चेन्नई में उनकी मूर्ति लगवाई है। यह एक बार फिर देश की राजनीति में आने वाले बदलाव और उसमें वीपी सिंह की मौजूदगी के नए दौर की शुरुआत है। जिस तरह वीपी सिंह ने भांप लिया था कि अब अम्बेडकर की राजनीति का समय आ रहा है उसी तरह स्टालिन को पता चल गया है कि अब वीपी सिंह की राजनीति का समय आ रहा है। पूरे देश में पिछड़ी जातियां जिस अदांज में अपनी सामाजिक पहचान उजागर करके अपना स्वाभाविक स्पेस हासिल कर रही हैं और सामाजिक पहचान को राजनीतिक पूंजी में तब्दील कर रही हैं उससे लग रहा है कि उनको भी उसी तरह एक मसीहा की जरुरत है, जैसे अस्सी-नब्बे के दशक में दलित समूहों की थी। उस जरुरत की पूर्ति डॉक्टर अम्बेडकर से हुई तो मौजूदा जरुरत की पूर्ति वीपी सिंह से हो सकती है।

ध्यान रहे इस समय पूरे देश में पिछड़ी जातियों की सामाजिक व राजनीतिक चेतना उभार पर है। बिहार में जाति गणना के आंकड़े सामने आने और उस आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले से सोशल डायनेमिक्स और राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलेंगे। इसे भांप पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूरे देश में जाति गणना कराने का वादा कर रहे हैं और उन्होंने राममनोहर लोहिया, कांशीराम आदि की तर्ज पर एक नारा दिया है- जितनी आबादी उतना हक। आबादी के अनुपात में दलितों को उनका हक दिलाने की शुरुआत अगर डॉक्टर अम्बेडकर ने की थी तो पिछड़ों को उनका हक दिलाने की शुरुआत वीपी सिंह ने की। हो सकता है कि अम्बेडकर के साथ दलित समुदाय जैसा आत्मिक जुड़ाव महसूस करता है वैसा वीपी सिंह के साथ पिछ?ी जातियां नहीं महसूस करें इसके बावजूद पार्टियों की राजनीतिक मजबूरी वीपी सिंह को व्यापक समाज में स्वीकृति और वह स्थान दिला सकती है, जिसके वे सचमुच हकदार थे। वे ठाकुर समाज से थे और राज परिवार से आते थे लेकिन आजाद भारत के पहले नेता था, जिनके लिए यह नारा लगा कि 'राजा नहीं फकीर है, भारत की तकदीर है'।

भारत की तकदीर एक बार फिर अपनी दिशा बदल रही है। हो सकता है कि इससे स्थापित सामाजिक व्यवस्था टूटती दिखे लेकिन जब इसमें ठहराव आएगा तो हो सकता है कि उसके नतीजे सुखद हों। आज पारंपरिक रूप से दबंग और अगड़ी मानी जाने वाली जातियां अपने को पिछड़ों में शामिल कराने की लड़ाई लड़ रही हैं और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि राजनीतिक विमर्श की दिशा बदल रही है। अगर जाटों, मराठों और यहां तक की बिहार के भूमिहारों को भी पिछड़ी जाति में शामिल होना है तो यह कोई मामूली बात नहीं है। इसका मतलब है कि भारतीय समाज में कोढ़ की तरह मौजूद अगड़ी-पिछड़ी और दलित जातियों का ढांचा टूट सकता है। जिस सामाजिक समरसता के लिए समाज सुधारक और कई सांस्कृतिक-धार्मिक संगठन दशकों से काम करते रहे वह जाति गणना, आरक्षण की सीमा बढ़ने और वीपी सिंह के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लौटने से हासिल हो सकता है। एमके स्टालिन ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को बुला कर प्रतिमा का अनावरण कराया तो वह सिर्फ इसलिए नहीं था कि अखिलेश उत्तर प्रदेश के हैं और वीपी सिंह भी उत्तर प्रदेश के थे। वह इसलिए था क्योंकि अखिलेश मंडल की राजनीति से निकली पार्टी के नेता हैं। वे देश के सबसे बड़े प्रदेश में पिछड़ी जातियों की राजनीति का प्रतिनिधि चेहरा हैं। अब अखिलेश उस मुहिम को आगे बढ़ाएंगे, जिसे स्टालिन ने शुरू किया है और धीरे धीरे मंडलवादी राजनीति की सभी पार्टियां ऐसा ही करेंगी। मजबूरी में कांग्रेस और भाजपा को भी इस राजनीति को आगे बढ़ाना होगा। कांग्रेस निजी कारणों से वीपी सिंह के प्रति द्वेष भाव रखती है। लेकिन पिछड़ों के हक की बात करने और उनकी राजनीति करने के लिए देर-सबेर वीपी सिंह को याद करना ही होगा।

ऊबे मतदाताओं का जनादेश

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अक्सर हर उस नई शक्ति को मौका देने का जोखिम उठाते हैं, जिसमें उन्हें संभावना नजर आती है। दूसरी तरफ अगर राजनीतिक दल और नेता लगातार अपना पुनर्आविष्कार ना करते रहें, तो वे लोगों में एक ऊब पैदा कर देते हैं।

छत्तीस वर्ष पहले पूर्ण राज्य बनने के बाद से मिजोरम ने अब तक दो पार्टियों- कांग्रेस और मिजो नेशनल फ्रंट- का राज ही देखा था। इस पूरे दौर में दो नेता- ललथनहवला और जोरामथंगा- ही वहां की सियासत पर छाये रहे। इस गतिरुद्धता से ऊबे मिजोरम के मतदाताओं ने अब इन दोनों ही पार्टियों को विश्राम दे दिया है। ताजा विधानसभा चुनाव में उन्होंने सिर्फ चार साल पहले बनी पार्टी- जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) को दो तिहाई बहुमत से सत्ता सौंप दी है। इस पार्टी के नौकरशाह रह चुके नेता ललडुहोमा अब मुख्यमंत्री बनेंगे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी ललडुहोमा एक राजनीतिक प्रशासक के तौर पर कैसी भूमिका निभाएंगे, यह तो बाद में जाहिर होगा। लेकिन इस जनादेश ने दो बातें साबित की हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अक्सर हर उस नई शक्ति को मौका देने का जोखिम उठाते हैं, जिसमें उन्हें संभावना नजर आती है। दूसरी बात यह कि अगर राजनीतिक दल और नेता लगातार अपना पुनर्आविष्कार ना करते रहें, तो वे लोगों में एक ऊब पैदा कर देते हैं। इसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ती है। कांग्रेस को इस पहलू की कीमत लगभग सारे देश में चुकानी पड़ रही है। दरअसल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार के एक दिन बाद आए मिजोरम के चुनाव नतीजों ने उसके जख्म पर और नमक डाला है। जो पार्टी गुजरे 36 वर्षों में लगातार राज्य में एक प्रमुख शक्ति रही, वह इस बार वहां सिर्फ एक सीट जीत पाई है। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अपने हिंदुत्व के तमाम एजेंडे के बावजूद इस ईसाई बहुल राज्य में दो सीटें जीत ली हैँ। इस परिणाम ने भी यही रेखांकित किया है कि कांग्रेस अपने को नया रूप देने में विफल है, इसलिए मतदाताओं में नए सिरे से वह कोई उम्मीद नहीं जगा पा रही है। इस कारण वह धीरे-धीरे सियासत में अपनी प्रासंगिकता खो रही है। यह कड़वा तथ्य उसके सामने है कि जिस किसी राज्य में एक बार वह प्रथम दो स्थान से नीचे चली जाती है, वहां वह फिर खड़ी नहीं हो पाती। जाहिर है, अब मिजोरम में भी यह खतरा उस पर मंडरा रहा है। (आरएनएस)

ब्रिटेन: कुआँ और खाई!

श्रुति व्यास

उनके अपने देश में कल का कोई ठिकाना न था। इसलिए वे एक बेगाने देश में गए। लेकिन वहां भी उनका कोई ठिकाना नहीं है। अमेरिका, यूरोप या ब्रिटेन में शरण चाहने वाले लगभग सभी लोगों की कमोबेश यही कहानी है। ब्रिटेन में यह अनिश्चितता और ज्यादा कष्टपूर्ण बन गई है। ऋषि सुनक की सरकार दुनिया भर से ब्रिटेन आने वाले शरणार्थियों को मध्य अफ्रीका भेजने की योजना पर दृढ है।

इस योजना की शुरूआत 2010 में हुई थी। कंजरवेटिव सत्ता में आए और उन्होंने वायदा किया कि शरणार्थियों की संख्या में वृद्धि की दर सालाना एक लाख से कम की जाएगी। सन 2016 में ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन की सीमाओं पर ब्रिटेन का पूर्ण नियंत्रण दुबारा कायम हुआ। सन् 2019 में कंजरवेटिव पार्टी के घोषणापत्र में शरणार्थियों की संख्या कम करने का संकल्प एक बार फिर व्यक्त किया गया, हालांकि इस बार कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया। युद्ध, अकाल और जलवायु संबंधी समस्याओं के चलते ब्रिटेन में बसने वालों की संख्या बढ़ती गई। सन् 2022 में यह आंकड़ा 7,45,000 था। इसी का नतीजा है कि ऋषि सुनक की सरकार मुखर होकर इस मुद्दे पर बोल रही है और इस संख्या को घटाने के लिए दृढ़ है।

दुनिया में आप्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा है जिसे लेकर लोग जज्बाती हैं और जो वोट दिलाता है। यूगव (ब्रिटेन स्थित एक डाटा फर्म) के मुताबिक, इस वक्त ब्रिटेन के 40 प्रतिशत लोग आप्रवासन और शरणार्थियों संबंधी मसलों को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं जबकि 2021 की शुरूआत में उनका प्रतिशत 20 से भी कम था।

पिछले महीने यूके के सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि शरणार्थियों को मध्य अफ्रीका भेजने के निर्णय का आधार एक समझौता मात्र है और किसी देश से इस बारे में संधि नहीं की गयी है, अतः यह गैर-कानूनी है। ऋषि सुनक ने कहा है कि वे न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने का रास्ता ढूंढ रहे हैं। हालांकि आलोचकों का कहना है कि इस नीति का असली मकसद है कंजरवेटिव काल में शरणार्थियों के अनसुलझे मामलों के भारी बैकलॉग से लोगों का ध्यान हटाना। इसका नतीजा यह हुआ है कि शरणार्थियों पर करदाताओं का लगभग 4.8 अरब डालर व्यय हो रहा है - जो आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में दुगना है। मंगलवार को गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने किगाली की यात्रा की जहां उन्होंने रवांडा की सरकार के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए। यह चुनावी माहौल बनने के पहले शरणार्थी संकट पर काबू पाने का प्रयास था। क्लेवरली ने यह भी कहा कि आगामी वसंत से वर्क वीजा चाहने वालों को साल में 38,700 पौंड कमाने होंगे। यह राशि पहले 26,200 पौंड थी। जिन क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी के चलते वीजा संबंधी छूटें थीं उनका पुनरावलोकन किया जाएगा और विदेशी जीवनसाथी और आश्रितों को ब्रिटेन आने देने संबंधी नियम भी कड़े किए जाएंगे।

ये सारे नए प्रस्ताव ब्रिटिश लोगों को पसंद नहीं आ रहे हैं - उन्हें भी नहीं जो कड़ी आप्रवासन नीतियों के हामी हैं। रवांडा संबंधी नीति भी अलोकप्रिय है। जनता को लगता है कि अप्रवासियों से निपटने के लिए उन्हें जबरदस्ती अफ्रीका जाने वाले विमानों में बैठाने का निर्णय लागू करने लायक नहीं है। वे इस बात से भी चिंतित हैं कि इन नए प्रस्तावों के चलते श्रमिकों की कमी हो जाएगी। जीवनसाथियों से संबंधित वीजा नियम कड़े करने से गरीब, युवा और दक्षिण-पूर्व के अलावा अन्य क्षेत्रों के लोगों में आक्रोश है। और भय यह है कि जितने लंबे समय तक यह मूर्खता जारी रहेगी, उतने ही अधिक समय और ऊर्जा की बर्बादी होगी। इस योजना को लोगों को उनके देश भेजने की पुरानी योजनाओं से जोड़ा जायेगा, जिससे अंधराष्ट्रवाद और विदेशियों के प्रति फोबिया को बढ़ावा मिलेगा।कुल मिलाकर ब्रिटेन दुविधा में है। एक तरफ है घटिया नीति का कुआँ और दूसरी तरफ भोंडी राजनीति की खाई।

विदेशी महिला से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। विदेशी महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 14 दिसम्बर को बार्सीलोना, स्पेन की महिला द्वारा थाना लक्ष्मणझूला पर शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया गया था कि रामझूला पुल के पास एक व्यक्ति द्वारा उसका पीछा कर उसके साथ अभ्रदता की गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। विदेशी महिला से छेड़छाड के आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा किये गये अथक प्रयासों के बाद घटना में संलिप्त अंकित पुत्र अशोक (लल्लू) निवासी ग्राम ढकदेई थाना नकुड सहारनपुर को कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी मुनि की रेती स्थित एक होटल में कार्यरत है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

लम्बे समय से फरार चल रहा पांच हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। लम्बे समय से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने पश्चिमी बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार साल 2019 में कोतवाली लालकुंआ में धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपी स्नेहासिक भट्टाचार्य पुत्र विजन बिहार भट्टाचार्य निवासी पांचहरि पूर्णहरि थाना भूपति नगर जिला पूर्वी मिदनापुर पश्चिम बंगाल लगातार फरार चल रहा था। जिस पर पांच हजार का ईनाम भी घोषित किया गया था। न्यायालय द्वारा जब मामले में आरोपी के खिलाफ गैर जमानती वांरट जारी किया गया तो पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद कोलकाता पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

2025 तक ड्रग फ्री उत्तराखण्ड बनाया... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उन्होंने कहा कि ऑनलाईन सेवाओं का लाभ आम जन आसानी से उठा सकें, इसके लिए जनपदों में विभागों के माध्यम से ऑनलाईन सेवाओं के बारे में जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये पत्रावलियों की अधिक पेडेंसी रखने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। उन्होंने कहा कि जन सुविध ा के दृष्टिगत अपणि सरकार पोर्टल पर अधिक से अधिक सेवाएं जोड़ी जाए। लोगों को उनके घरों पर ही अधिक से अधिक सुविधाएं मिले, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत हुए करारों की ग्राउडिंग के लिए तेजी से कार्य किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि निवेशकों को कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और मजबूत बनाया जाए। जिन निवेश प्रस्तावों से राज्य में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावनाएं हैं और जो प्रस्ताव राज्य के अनुकूल हों उन्हें पहली प्राथमिकता पर रखने के मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी अंशुमन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी और अपर सचिव जे.सी. काण्डपाल उपस्थित थे।

एएसआई की रिपोर्ट से तय होगा ... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अपील भी तैयार की गई। मुस्लिम पक्षकारों ने मांग की है कि बिना कोर्ट हलफनामे में रिपोर्ट किसी को नहीं दी जाए। हिंदू पक्ष के वकीलों की दलील थी कि कोर्ट की कोई कार्यवाही गोपनीय नहीं है सर्वे की यह रिपोर्ट भी कोई गोपनीय दस्तावेज नहीं है। कोर्ट में इस रिपोर्ट को सौंपे जाने के बाद पक्षकारों द्वारा इस रिपोर्ट को हासिल किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस रिपोर्ट में ज्ञानव्यापी परिसर के सभी अष्ट मंडपों और तहखानो के अलावा उस दीवार का भी परीक्षण किया गया जो श्रृंगार गौरी पूजा से जुड़ी है। पूरे परिसर का परीक्षण वैज्ञानिक तरीके से बिना किसी तोड़ फोड़ के किया गया। तमाम धार्मिक चिन्हो और भवन के आकार प्रकार से लेकर उसके निर्माण के कालखंड तक पर इस रिपोर्ट में विस्तृत उल्लेख किया गया है। माना जा रहा है कि जिस तरह से अयोध्या के विवादित बाबरी मस्जिद ढांचे के लिए एएसआई सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने वहां राम मंदिर होने की पुष्टि की थी और राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सका इस तरह से ज्ञान व्यापी विवाद का समाधान भी अब हो सकेगा। ज्ञान व्यापी शिव भगवान का मंदिर है या फिर मस्जिद है इस फैसले में यह सर्वे रिपोर्ट मील का पत्थर साबित होगी। एएसआई की इस रिपोर्ट को लेकर हिंदू पक्षकार पूरी तरह से उत्साहित और आशावंतित है कि अब वह मंजिल तक पहुंचने वाले हैं और उसके बिलकुल करीब आ चुके हैं उनका साफ कहना है कि 40 साल से जारी इस लड़ाई को अब हम जीतने वाले हैं तथा बाबा का भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकी थी इस रिपोर्ट में क्या कुछ है इसका पता अभी नहीं लग सका है।

नामी रेस्टोरेंटो की फ्रैन्चाईजी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मैक डोनाल्ड, केएफसी आदि रैस्टोरैन्ट की फ्रैन्चाईजी दिलाने के नाम पर 25 लाख की धोखाधडी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को एसटीएफ द्वारा बी वारंट में छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है।

साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को एक शिकायती पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें देहरादून निवासी शिकायतकर्ता के साथ इसी प्रकार की घटना घटित हुयी थी जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा केएफसी रेस्टॉरेंट की फ्रैंचाइजी लेने हेतु ऑनलाइन गूगल में सर्च किया गया था। जिस पर केएफसी की वेबसाइट पर जाकर ईमेल के माध्यम से अपनी रिक्वेस्ट दर्ज करवायी गयी जिस पर एक ईमेल से शिकायतकर्ता की मेल आईडी पर एक रिप्लाई आया। जिसके द्वारा स्वंय को केएफसी का रजिस्टर्ड पार्टनर बताया गया तथा फ्रेंचाइजी रजिस्ट्रेशन की फीस, सिक्योरिटी डिपोसिट, लाइसेंस नंबर इत्यादि का विवरण हेतु एप्लीकेशन फॉर्म ईमेल के माध्यम से भेजा गया, तत्पश्चात उक्त अज्ञात लोगो द्वारा उसके साथ धोखाधड़ी कर उससे आन लाइन 24 लाख 30 हजार पांच सौ रूपये हड़प लिये गये। मामले में साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों द्वारा गैंग के रूप में कार्य कर फेक वैबसाईट बनाकर फ्रैन्चाईजी देने के नाम पर सम्पूर्ण भारत के भिन्न-भिन्न राज्यो में धोखाधड़ी की जा रही है, जिस सम्बन्ध में अन्य राज्यों से शिकायतों के लिंक भी प्राप्त हुए। इस दौरान एसटीएफ की पता चला कि उक्त घटना को अंजाम देने वाले आरोपी वर्तमान में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा अपने यहाँ पंजीकृत अभियोग में गिरफ्तार किया गया तथा वह सैन्ट्रल जेल दुर्ग छत्तीसगढ़ में बंद है। जिस पर एसटीएफ द्वारा आरोपियों के खिलाफ वारंट बी प्राप्त किया गया तथा आरोपियों को सैन्ट्रल जेल दुर्ग छत्तीसगढ़ से लाकर न्यायिक अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त कर जिला कारागार देहरादून में दाखिल किया गया है। जिनके नाम सूरज कुमार पुत्र रामप्रवेश प्रसाद निवासी भवानी बीघा, वारिसलीगंज, जिला नवादा बिहार व रामप्रवेश प्रसाद पुत्र रोही महतो निवासी भवानी बीघा, वारिसलीगंज, जिला नवादा बिहार बताये जा रहे है।

भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष में पोस्टर का विमोचन किया

संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन ने भगवान महावीर के 2550वे निर्वाण वर्ष में भगवान महावीर के पोस्टर का विमोचन किया।

आज यहां मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के अध्यक्ष सचिन जैन ने विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के शुभ अवसर पर डॉक्टर बी के एस संजय द्वारा भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण वर्ष के शुभ अवसर पर भगवान महावीर का पोस्टर विमोचन कराया। इस अवसर पर सचिन जैन ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश है जियो और जीने दो जिसे हम सभी को पालन करना चाहिए किसी भी जीव को उतना ही जीने का अधिकार है जितना हमें है। जैन धर्म को अहिंसा परमो धर्म भी कहा जाता है जिसमें सभी साधु संत जीवो की रक्षा करते हुए नंगे पांव चलते हैं किसी भी तरह की हिंसा नहीं होने देते चाहे उसमें भाव हिंसा हो जीव हिंसा हो इत्यादि। इस अवसर पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने कहा कि जियो और जीने का संदेश लेकर भगवान महावीर इस दुनिया में आये जिन्होंने विश्व में शांति और सौहार्द का संदेश दिया। आने वाले समय में इस पृथ्वी पर जीवन तभी सुरक्षित होगा जब हम भगवान महावीर के संदेशों को मानेगे और उन पर चलने का प्रण लेंगे आने वाला नया वर्ष भगवान महावीर के 2550 वां निर्वाण महोत्सव के रूप मनाया जाएगा। इस अवसर पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन, नरेश चंद्र जैन, राजकुमार तिवारी, दिनेश शर्मा, मंजू शर्मा, सुनील अग्रवाल, एसपी सिंह, विशंभर नाथ बजाज आदि लोग मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी की समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी की समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय पर एकत्रित हुए जहां से उन्होंने महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधि कारी कार्यालय के लिए कूच किया। वह कांग्रेस भवन से घंटाघर चौक, दर्शन लाल चौक होते हुए जिला मुख्यालय पर पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया जिसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंच ज्ञापन लिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्य कभी न खत्म होने वाली परियोजना की तरह हो गए हैं। कहीं सड़क बनी है तो नालियां खुदी पड़ी हैं। कहीं सीवर लाइन बनी है तो सड़कें टूटी पड़ी हैं। इन अधूरे कामों के कारण लोग चोटिल होते रहते हैं, अधूरे पड़े कामों के कारण पिछली बरसात में भयानक डेंगू का प्रकोप हुआ। इससे अनेक लोगों की असमय मृत्यु हुई, और नगर क्षेत्र के प्रभावित परिवार इससे आज तक उबर नहीं पाए। नगर निगम में नालियों व सड़कों की सफाई व्यवस्था भी अनियमित है।

उन्होंने कहा कि निगम कार्यालय में अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जिससे वहां अपने कामों के लिए आने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश उनियाल, अशीष सक्सेना, पूरन सिंह रावत, मनीष नागपाल, आशीष नौटियाल, सोनिया आनंद, सुनीता प्रकाश, आशा मनोरमा शर्मा, कमला रावत, सचिन थापा, आलोक मेहता, सैयद अहमद जमाल, अभिषेक तिवारी, शहजाद अंसारी, हेमंत उप्रेती, संजय गौतम, राजेश पुंडीर, विनय कुंदन, शिवराम, देवेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

एक नजर

मैक्सिकोः क्रिसमस पार्टी पर गोलीबारी में 12 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के साल्वाटियेरा नगर पालिका में क्रिसमस पार्टी के दौरान कम से कम 12 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। गुआनाजुआटो अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि यह रक्तपात रविवार को सैन जोस डेल कारमेन के समुदाय में एक पारंपरिक मैक्सिकन उत्सव, क्रिसमस पोसाडा के दौरान हुआ। समाचार एजेंसी शच्न्हिुआ ने नगरपालिका सरकार की शुरुआती रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि सशस्त्र हमलावरों का एक समूह अप्रत्याशित रूप से पहुंचा और पोसाडा प्रतिभागियों पर गोलियां चला दीं, इनमें से अधिकांश युवा थे। इसमें 12 लोग मारे गए और 10 घायल हो गए।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति जो पार्टी में था, उसने बताया कि बंदूकों के साथ लगभग छह लोग कार्यक्रम स्थल में दाखिल हुए थे । उन लोगों ने कार्यक्रम में इकट्ठा युवाओं के बीच घूमना शुरू कर दिया था । उन्होंने कहा कि जब हमें एहसास हुआ कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था और जब उनसे पूछा गया कि वो लोग कौन हैं, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी । बता दें कि गुआनाजुआटो मेक्सिको के सबसे हिंसक राज्यों में से एक है । इसका मुख्य कारण आपराधिक गिरोहों की उपस्थिति और गतिविधि है । इसमें ड्रग कार्टेल भी शामिल है । साल्वाटिएरा के मेयर जर्मन सर्वेंट्स ने फेसबुक पर पोस्ट किया कि मैं सैन जोस डेल कारमेन के समुदाय में हुई हिंसा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निंदा करता हूं । हम अभियोजक के कार्यालय के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं । आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, हाल के वर्षों में गुआनाजुआतो में इसी तरह के हमले दर्ज किए गए हैं, जो इस साल अब तक 3,029 के साथ मेक्सिको में सबसे अधिक हत्या वाले राज्यों की सूची में शीर्ष पर है ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के काफिले से टकराई कार

वाशिंगटन। । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी पत्नी जिल बाइडन के साथ जब एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे, तब उनके काफिले में एक कार जा टकराई। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, टेलीविजन फुटेज में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स को टक्कर के बाद जो बाइडेन को उनकी कार तक ले जाते हुए दिखाया गया है। इस हादसे में काफिले में शामिल एक कार का बम्पर क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर ली थी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यहां राष्ट्रपति जो बाइडेन के काफिले में फोर्ड कार ने एक चौराहे पर आगे बढ़ने की कोशिश और बाइडन के काफिले को टक्कर मारी है। इसके बाद बाइडन के सुरक्षा कर्मियों ने वाहन को हथियारों के साथ घेर लिया और चालक को अपने हाथ ऊपर करने का निर्देश दिया। इस वाहन दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं पहुंची है।

मोमबत्ती बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने से अब तक 14 की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे के पिंपरी-चिंचवड इलाके में आठ दिसंबर को मोमबत्ती बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लगने की घटना में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल हुई दो महिलाओं की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने तलवडे में स्थित इस फैक्टरी के मालिक शरद सुतार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में वह भी झुलस गया था। अधिकारी ने कहा, श्एक घायल महिला कमल चौरे (35) की शनिवार को मौत हो गयी, जबकि ऊषा पदवी (40) की रविवार को मौत हो गयी।श फैक्टरी में आम तौर पर जन्मदिन समारोह में इस्तेमाल की जाने वाली मोमबत्तियां बनाई जाती थीं। यहां आठ दिसंबर को अचानक आग लग गई, जिसमें छह लोगों की उसी दिन मौत हो गयी थी, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनमें से कुछ की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गयी थी।

भगवान अवस्था नहीं भक्त की व्याकुलता देखते हैंः आचार्य ममगाईं

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। ईश्वर न तो दूर है और न अत्यंत दुर्लभ ही है, बोध स्वरूप एकरस अपना आत्मा ही परमेश्वर है, नाम और रूप विभिन्न दिखते है। धर्म को जानने वाला दुर्लभ होता है, उसे श्रेष्ठ तरीके से बताने वाला उससे भी दुर्लभ, श्रद्धा से सुनने वाला उससे दुर्लभ और धर्म का आचरण करने वाला सुबुद्धिमान् सबसे दुर्लभ है। भगवान व्यवस्था नहीं जीवन की अवस्था देखते हैं, वो व्याकुलता देखते हैं। यह बात दिल्ली पुष्प विहार साकेत में शक्ति मन्दिर में शिवपुराण कथा समिति द्वारा आयोजित शिवपुराण के 9वें दिन ज्योतिष पीठ बद्रिकाश्रम व्यासपीठालंकृत आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहे।

उन्होंने कहा कि शिवपुराण कथा सुनने में असमर्थ हो तो प्रतिदिन जितेन्द्रिय होकर मुहूर्त (क्षण) मात्र सुने। यदि मनुष्य प्रतिदिन के सुनने में असमर्थ हो तो पुण्यमास आदि में शिव की कथा सुनें। जो मनुष्य शिव की कथा को सुनता है वो कर्मरूपी बडे वन को भष्म करके संसार में तर जाता है। जो पुरुष मुहूर्त मात्र आधे मुहूर्त या क्षणभर शिव की कथा को भक्ति से सुनते हैं उनकी कदापि दुर्गति नही होती है।

हे मुने जो संपूर्ण दानों में वा सब यज्ञों में पुण्य होता है वह फल शंभु के पुराण सुनने से निश्चय होता है। विशेषकर कलयुग में पुराण के श्रवण के बिना मनुष्यों की मुक्ति, ध्यान में तत्परता घ्र कोई परमधर्म संभव नही है। पुराण का मार्ग सदा श्रेष्ठ है, बिना शिव के यह संसार इस प्रकार नही शोभित होता जिस प्रकार बिना सूर्य के जीवलोक शोभा नही पाता। मनुष्यों को शिव का पुराण का सुनना, नामकीर्तन करना कल्पवृक्ष के फल के समान मनोहर कहा है इसमें कुछ संदेह नही है।

कलियुग में धर्म आचर को त्यागने वाले दुर्बुद्वि वाले मनुष्यों के हित करने को शिव ने पुराण नामक अमृत रस विध ान किया है। अमृत को पीकर एक ही मनुष्य अजर अमर होता है परंतु शिव की कथा रूपी अमृत के पान करने से सब कुल ही अजर अमर हो जाता है।

आज विशेष रूप से दीपक रावत, सरिता रावत, साबर सिंह रावत, मंजू रावत, दर्शन रावत, हर्षि रावत, सुशीला भण्डारी, हरेंद्र भंडारी, विश्व वर्धन थपलियाल, रेखा थपलियाल, जसवीर बिष्ट, श्रीमती रेणु बिष्ट, जयंती प्रसाद गैरोला, शांति गैरोला, श्रीमती जानकी पंत, अजय पंत, कुसुम नेगी, अनिरुद्ध नेगी, आचार्य मंत्री प्रसाद ममगांई, वसन्त सिंह बिष्ट, आचार्य संदीप बहुगुणा, आचार्य महेश भट्ट, आचार्य हिमांशु मैठाणी, आचार्य अजय मिश्रा, संध्या श्रीवास्तव, आचार्य प्रमोद भट्ट, संजीव ममगाईं, दीपक पंथ, कामेश्वर चौबे, केशव शास्त्री, ठाकुर पाठक, ध र्मानन्द जोशी आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित थे।

हमारी संस्कृति सभी पंथ मार्ग, संप्रदायों का सम्मान करने की रही हैः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति सभी पंथ मार्ग, संप्रदायों का सम्मान करने की रही है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ध ामी ने विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र, गढ़ी कैंट, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की पुस्तिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन भारतवर्ष की एकता और अखंडता के संरक्षण व संवर्धन हेतु हमारे मौलिक कर्तव्यों को याद करने का दिन है। भारत की एकता और अखंडता का मूल भी हमारी यही सांस्कृतिक विभिन्नताओं में पाए जाने वाली एकरूपता है। अनेकता में एकता का यही भाव देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। हमारी भारतीय संस्कृति सभी पंथ मार्ग, संप्रदायों का सम्मान करने की रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति तथा सामर्थ्य का विस्तार संपूर्ण विश्व में हो रहा है। उन्होने कहा कि राज्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाए जाने एवं अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किए जाने हेतु ''मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजना'' प्रारम्भ की गई है। राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के परिवारों की मेधावी छात्राओं की शिक्षा हेतु विशेष अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार ने अल्पसंख्यक क्षेत्रों में मांग के अनुसार आर्थिक व शैक्षणिक विकास के लिए अल्पसंख्यक विकास निधि की स्थापना की है, जिसके तहत अभी तक 18 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री हुनर योजना के माध्यम से गांवों की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। राज्य में समान नागरिक संहिता जल्द लागू करने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी को सहयोग देना होगा। इस अवसर पर उत्तराखण्ड अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष आर.के. जैन, उपाध्यक्ष सरदार इकबाल सिंह, मजहर नईम उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी, डीजीपी अभिनव कुमार उपस्थित थे।

अस्पताल की पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने अस्पताल की पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी धर्मेन्द्र सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कैलाश अस्पताल में किसी को देखने गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल हास्पिटल की पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।